[A-24] SEAT No._____ No. of Printed Pages : 02

SARDAR PATEL UNIVERSITY

F.Y.B.A (EXTERNAL FIRST SEM) EXAMINATION

DAY: TUESDAY DATE: 09/04/2019

SESSION: Morning/ TIME: 10:00 AM TO 1:00PM

SUBJECT/COURSE TITLE: **Adhunik Hindi Kavita** (FYBAHIN101)

TOTAL WEIGHTAGE MARKS: 100

प्र-१ सप्रसंग व्याख्या कीजिए । (३०)

(क) सिद्धिमार्ग की बाधा नारी फिर उसकी क्या गति है ?
पर उनसे पूछ, जिनको मुझसे आज विरति है ।
अब विश्व में व्यख्त शुभाशुभ मेरी भी कुछ मति है ।
में भी नहीं अनाथ जगत में, मेरा भी प्रभुपति है ।

अथवा

"अबला-जीवन हाइ ! तुम्हारी यही कहानी
आंचल में है दूध और आँखों में पानी ।"

(ख) "व्यक्ति का है धर्म तप, करुणा, क्षमा,
व्यक्ति की शोभा विनय भी, त्याग भी,
किंतु उठता प्रश्न जब समुदाय का,
भूलना पडता हमें तप त्याग को ।"

अथवा

हिंसा का आघात तपस्या ने
कब कहाँ सहा है?
देवों का दल सदा दानवो
से हारता रहा है ।"

(ग) नहीं बजती उसके हाथों में कोई विणा
नहीं होता कोई अनुराग-राग-आलाप
नुपूरों में भी रुनझुन रुनझुन नहीं,
सिर्फ एक अव्यक्त शब्द-सा चुप,चुप,चुप'
है गूंज रहा सब कहीं ।"

(P.T.O)

अथवा

"हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयंप्रभा समुज्ज्वला,
स्वतंत्रता पुकारती,
अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ प्रतिज्ञा सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ, बढे चलो, बढे चलो |"

प्र-२ यशोधरा खंडकाव्य के आधार पर सिद्धार्थ का चरित्र चित्रण कीजिए | (२०)

अथवा

प्र-२ यशोधरा खंडकाव्य की कथावस्तु लिखते हुए उसकी विशेषताओ पर प्रकाश डालिए |

प्र-३ कुरुक्षेत्र काव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र चित्रण कीजिए | (२०)

अथवा

प्र-३ 'कुरुक्षेत्र' के काव्य सौंदर्य की चर्चा कीजिए |

प्र-४ 'जो बीत गई' कविता में व्यक्त कवि का जीवन दर्शन स्पष्ट कीजिए | (२०)

अथवा

प्र-४ 'क्या पूजन क्या अर्चन' का मूल भाव स्पष्ट कीजिए |

प्र-५ टिप्पणी लिखिए (कोई एक) (१०)

(१) 'उपमा' और 'उत्प्रेक्षा' अलंकार सोदाहरण समजाइए |

(२) 'सरस्वती वंदना' कविता का भावार्थ |

— X —